हिन्दी व्याकरण

1. संधि
2. लिंग
3. वाक्य अशुद्धि -
4. विराम चिह्न -

विराम चिह्न –

1. विराम – ठहराव, विश्राम, आराम, रुकना।

2. चिह्न – निशान, प्रतीक, संकेत, पहचान।

3. परिभाषा – बोलते समय जहाँ हम थोड़ा या अधिक ठहराव लेते तो लिखते समय उनके स्थान जो चिह्न लगाये जाते उन्हें विराम चिह्न कहा जाता है।

4. शुद्ध वर्तनी – A. चिह्न ✓ B. चिंह C. चिन्ह, D. चिहृ

ह्न = ह् + न

5. कामता प्रसाद गुरु विराम चिह्नों को अंग्रेज़ी भाषा से लिया गया है ऐसा मानते है।

6. किशोरीदास वाजपेयी के अनुसार विराम चिह्नों की संख्या २० है।

1. अल्पविराम – , (i) थोड़ा ठहराव लिया जाये।

थोड़ा + ठहराव

(ii) समान आधार (समानाधिकरण शब्द) वाले शब्दों के साथ प्रयुक्त।

जैसे – 1. राम, श्याम, मोहन, सोहन चार मित्र थे।

2. राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न चारों भाई है।

3. सीता, गीता, बबीता, सुनीता परस्पर पढ़ते लिखते है।

4. मैं बाजार गया वहाँ से आलू, गोभी, मटर, टमाटर व गाजर, मूली, मिर्च लेकर आया।

2. अर्द्ध विराम चिह्न — ;

1. अर्द्ध विराम का प्रयोग वाक्यांश, उपवाक्य के साथ किया जाता है।

2. जहाँ अल्पविराम से अधिक ठहराव लिया जाये।

जैसे — 1. उसने कहा ; मैं कल नहीं आऊँगा।

2. गाँधी ने कहा ; सदा सत्य बोलो। शुद्ध वाक्य

3. अर्द्ध विराम चिह्न (;) के स्थान पर समुच्चयबोधक अव्यय 'कि' का प्रयोग करके भी शुद्ध वाक्य बनाया जाता है—

जैसे — गाँधी जी ने कहा कि सदा सत्य बोलो। शुद्ध वाक्य

कि = समुच्चयबोधक प्रत्यय (जोड़ने के लिए)

की = सम्बन्ध कारक का परसर्ग अर्थात् कारक चिह्न (एक शब्द का दूसरे शब्द के साथ सम्बन्ध प्रकट करता है)

राम की बहन

कृष्ण की माता

3 अपूर्ण विराम चिह्न या उपविराम चिह्न – :

1 शीर्षक के साथ उपविराम चिह्न (:) का प्रयोग किया जाता है।

2. अल्पविराम (,) से तीन गुना ठहराव लिया जाता है।

जैसे –

गदर _ : एक प्रेम कथा।

दहेज _ : एक सामाजिक बुराई।

भारत _ : एक खोज

कोरोना _ : एक राष्ट्रीय महामारी

विसर्ग (ः) ≠

प्रायः

प्रातः

अतः

पुनः

4. पूर्ण विराम चिह्न या फुलस्टॉप चिह्न – ।, ॥.

1. कथन की पूर्ण समाप्ति पर।
2. वाक्य में प्रसंग, घटना, कथन के पूरा होने पर वाक्य के अन्त में इसका प्रयोग किया जाता है।

जैसे – 1. वह स्कूल जाता है।
2. सूरज पूरब दिशा में निकलता है।
3. रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून।
पानी गये न ऊबरे, मोती मानुष चून॥

5. योजक चिह्न या संयोजन चिह्न – -

1. विलोम शब्द के साथ – लाभ-हानि, सुख-दुःख
2. संयुक्त क्रिया के साथ – देना-लेना, पढ़ना-लिखना
3. शब्द की आवृत्ति के साथ – धीरे-धीरे, राम-राम
4. शब्द की अर्द्ध आवृत्ति के साथ – चाय-वाय, कपड़ा-वपड़ा
5. सामासिक पद (समास वाले पद) के साथ – माता-पिता, राम-लक्ष्मण
6. शब्दों को जोड़ने या अलग करने के लिए योजक चिह्न (–) का प्रयोग किया जाता है।

७ अवतरण चिह्न या उद्धरण चिह्न — दो प्रकार